सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 09 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 10 फरवरी, 2026

मूल्य ₹ 3/-

एक लीडर आशा का व्यापारी होता है।
-नेपोलियन बोनापार्ट

बीसीसीआई ने जारी की वार्षिक अनुबंध... 7 | दक्षिण भारत में सियासी सरगर्मी... 3 | राज्यपाल का अभिभाषण, सरकार... 2

ओह मॉय गॉड!

सदन से घात : सांसदों को नहीं रखने दी जा रही बात

» अविश्वास प्रस्ताव पर कई सांसदों का साथ

» सदन को एकतरफा चलाने का विपक्षी आरोप

» अखिलेश यादव बोले- विपक्ष को बात रखने से रोका जा रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा के भीतर कुर्सियां भरी हैं माइक ऑन हैं लेकिन विपक्ष का आरोप है कि बात रखने की इजाजत बंद है। और जब बात नहीं रखने दी जाती तब राजनीति बहस से नहीं टकराव से आगे बढ़ती है। और संसद के भीतर सरकार और विपक्ष का टकराव उस मोड़ पर पहुंच गया है जहां यदि ब्रेक नहीं लगाये गये तो लोकतंत्र का एक्सीडेंट में घायल हो जाने का खतरा बढ़ गया है।

विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए अनुच्छेद-94 के तहत लोकसभा सचिवालय को नोटिस भेज दिया है। नोटिस पर 118 विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर हुए हैं। हस्ताक्षर करने वालों में कांग्रेस, डीएमके व सपा के सांसद शामिल हैं।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पर विपक्षी सांसदों ने सीधा आरोप लगाया है कि सदन को एकतरफा चलाया जा रहा है और विपक्ष की आवाज को जानबूझकर दबाया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि वो मेरी बातों की वजह से डर गए हैं लोकसभा में तो उन्हें आना चाहिए। जबकि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के मुताबिक विपक्षी सांसदों को सदन में उनकी बात नहीं रखने दी जा रही।

लोसअध्यक्ष के खिलाफ नोटिस 118 सांसदों के सिगनेचर

अविश्वास प्रस्ताव पर बोले अखिलेश

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्षी दलों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने पर अखिलेश यादव ने कहा है कि स्पीकर का सम्मान और सदन की गरिमा महत्वपूर्ण हैं। उन बातों को लेकर हमने बातचीत की है देखिए क्या निकलता है। हमारे लिए महत्वपूर्ण है कि जिस तरह से बाजार खोला जा रहा है जिस तरह से ढील दी गई है उस पर चर्चा होनी चाहिए।

एजेंडे का मंच बना सदन

विपक्षी सांसदों का कहना है कि लोकसभा अब बहस का मंच नहीं बल्कि पूर्व निर्धारित एजेंडे का स्टूडियो बन चुकी है। मुद्दे चाहे मणिपुर हों, बेरोजगारी हो, महंगाई हो, या चुनावी संस्थाओं की भूमिका हर बार माइक को ऑफ कर दिया जाता है और सवाल उठाने वाले सासंद का नाम कट करके अगला स्पीकर को खड़ा कर दिया जाता है। कांग्रेस, डीएमके, तृणमूल, समाजवादी पार्टी और वाम दलों के सांसदों का आरोप है कि जब भी विपक्ष कोई असहज सवाल उठाता है उसे नियमों के नाम पर चुप करा दिया जाता है।

पीएम मोदी मेरी बातों से डर गये : राहुल गांधी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने स्पीकर ओम बिरला द्वारा पीएम मोदी को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि किसी सदस्य की वजह से नहीं बल्कि मेरी बातों के डर से पीएम मोदी लोकसभा में नहीं आए। उन्होंने कहा कि वह अभी भी डरे हुए हैं क्योंकि वह सच्चाई का सामना नहीं कर सकते। राहुल गांधी ने दावे के साथ कहा कि हमारे सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री पर हमला करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कहा कि वह प्रधानमंत्री पर हमला करने वाला है तो कृपया तुरंत एफआईआर दर्ज कराये। उस व्यक्ति को गिरफ्तार होना जरूरी है। राहुल गांधी ने कहा कि कहानी कुछ दिन पहले शुरू हुई जब मनोज मुकुंद नरवणे की किताब का मामला आया और सरकार नहीं चाहती थी कि मैं उस पर बिल्कुल भी बात करूं इसलिए उन्होंने सदन को रोक दिया। उन्होंने मुझे बोलने नहीं दिया। ऐसा तीन चार बार हुआ। पहले उन्होंने कहा कि मैं किसी किताब का हवाला नहीं दे सकता। फिर मैंने कहा कि मैं किसी किताब का हवाला नहीं दे रहा हूं मैं एक मैगजीन का हवाला दे रहा हूं। फिर उन्होंने कहा कि आप किसी मैगजीन का हवाला नहीं दे सकते। फिर मैंने कहा कि मैं इस बारे में बात करूंगा। फिर वे नहीं चाहते थे कि मैं इस बारे में बात करूं। रक्षा मंत्री ने झूठ कहा कि किताब पब्लिश नहीं हुई है। असल में किताब पब्लिश हो चुकी है और हमारे पास उसकी एक कापी भी है। राहुल गांधी ने कहा कि यह एक बड़ा मुद्दा है जब विपक्ष के नेता और पूरे विपक्ष को राष्ट्रपति के भाषण में बोलने की इजाजत नहीं दी जाती।

'विपक्षी सांसदों को बोलने नहीं दिया जा रहा'

समाजवादी पार्टी प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव ने लोकसभा में विपक्ष के सवालों को उठाते हुए कहा कि विपक्ष चाहता है कि सदन में गंभीर चर्चाएं हों खासकर अमेरिका से डील पर। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष के सवालों का जवाब देने के बजाय सदन में अपने तर्कों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। सरकार को आगे आकर विपक्षी सवालों के जवाब देना चाहिए न कि उनकी आवाज को दबाने की कोशिश। उन्होंने कहा कि लंबे समय से ऐसा होता आ रहा है कि जब कभी कोई विपक्षी सांसद किसी अहम मुद्दे पर सरकार से कूछ पूछना चाहता है तो उसके सवालों का जवाब न देकर उल्टे उसे ही दोषी ठहरा दिया जाता हो।

विपक्ष को बुलवाना एक संवैधानिक दायित्व : दीपेंद्र सिंह हुड्डा

कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि मैंने स्वयं एक सांसद के रूप में देखा है कि इन परंपराओं का हर लोकसभा अध्यक्ष ने निर्वहन किया है विपक्ष को बुलवाना एक संवैधानिक दायित्व भी है। मैं उम्मीद करूंगा कि लोकसभा अध्यक्ष उस संवैधानिक दायित्व उस परंपरा का ख्याल रखते हुए नेता प्रतिपक्ष को बोलने का अवसर देंगे। उन्होंने कहा कि अगर सरकार विपक्ष रहित संसद और विपक्ष रहित देश चाहती है तो लोकतंत्र और संविधान निर्माताओं ने जिस लोकतंत्र की रचना की थी उसके साथ न्याय नहीं हो रहा। कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि हम लोगों को

संसद में बोलने नहीं दिया जाता है। वहीं सत्ताधारी पक्ष का कोई सांसद खड़ा हो जाता है तो उसे बोलने दिया जाता है। इसका हम लोग विरोध कर रहे हैं।

अविश्वास प्रस्ताव की विधिवत जानकारी : प्रमोद तिवारी

अविश्वास प्रस्ताव के बारे मे चल रही चर्चाओं को विराम देते हुए कांग्रेस राज्य सभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ ऐसा कोई कदम उठाया जाता है तो उसे पूरी तरह संवैधानिक तरीके से और औपचारिक रूप से सार्वजनिक किया जाएगा। प्रमोद तिवारी ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव लाने की प्रक्रिया संविधान में स्पष्ट रूप से तय है। जैसे ही संविधान के तहत अविश्वास प्रस्ताव पेश किया जाएगा हम उसे सार्वजनिक रूप से घोषित करेंगे। जब तक औपचारिक घोषणा नहीं होती मैं किसी भी तरह की अटकलों या अपेक्षाओं पर टिप्पणी नहीं कर सकता। हालांकि सूत्रों के अनुसार

कांग्रेस जल्द ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा के महासचिव को सौंप सकती है। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए कहा कि विपक्ष की आपत्ति किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं बल्कि न्याय और संविधान के पालन से जुड़ी है। यदि अविश्वास प्रस्ताव की बात की जा रही है तो वह किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है। हम सिर्फ निष्पक्षता और निष्कलंकता चाहते हैं। अध्यक्ष का पद संवैधानिक है और उसे सरकार के इशारों पर नहीं बल्कि संविधान के अनुसार काम करना चाहिए। विपक्षी नेताओं के मुताबिक प्रस्ताव लाने की वजहों में आठ विपक्षी सांसदों का निलंबन पूर्व प्रधानमंत्रियों पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे पर कार्रवाई न होना और महिला कांग्रेस सांसदों पर लगाए गए बिना सबूत के आरोप भी शामिल हैं।

राज्यपाल का अभिभाषण, सरकार की झूठी तारीफों का महोत्सव : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा का भाजपा सरकार पर हमला जारी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण भ्रष्टाचार में डूबी सरकार की झूठी तारीफों का महोत्सव ज्यादा नजर आया। वहीं सपा अध्यक्ष ने कहा है कि यूपी में भ्रष्टाचार चरम पर है। पानी की टंकियां भ्रष्टाचार के भार को नहीं सह पा रही हैं। जैसे ही पानी भरा जाता है, टंकियां भरभराकर गिर जाती हैं।

बोले- यूपी में भ्रष्टाचार चरम पर

उन्होंने कहा कि संसद के सदन चलाने की जिम्मेदारी भाजपा सरकार की है। सरकार चीन के मुद्दे पर घबरा रही है, क्योंकि भाजपा सरकार में चीन ने जमीनें छीनी हैं। इनके लोगों ने मुनाफा कमाने के लिए चीन से सामान लाना शुरू कर दिया। उन्होंने सवाल दागा कि क्या सरकार बताएगी कि 2014 में देश का क्षेत्रफल क्या था और अब क्षेत्रफल कितना है। अखिलेश ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण भ्रष्टाचार में डूबी सरकार की झूठी तारीफों का महोत्सव ज्यादा नजर आया। सरकारी कागजों पर हरियाली उगाने से जनता भ्रमित होने वाली नहीं है। भाजपा सरकार ने प्रदेश की जनता का विश्वास तो ?ने और परस्पर सद्भाव को नुकसान पहुंचाने का ही काम किया है।

भाजपा सरकार विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं देना चाहती

भाजपा सरकार विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं देना चाहती है। जो हालात हैं, उसमें सवाल पूछने पर कोई भी कार्रवाई हो सकती है। लोग सवाल न पूछे उसके लिए सरकार कुछ भी कर सकती है। उन्होंने कहा कि बजट पर चर्चा होनी चाहिए। अमेरिका से ट्रेड डील हुआ है। अब अमेरिका से कृषि उत्पाद आएंगे। भाजपा सरकार ने अब तो पूरा बाजार ही विदेशियों के लिए खोल दिया है। अब जानवरों के खाने का सामान भी बाहर से आएगा। अगर ऐसा होगा तो झांसी में बने ग्रास और फॉडर रिसर्च इंस्टीट्यूट का क्या होगा। अब तो एथेनाल भी बाहर से आएगा।

बस आंकड़ों और जुमलों का प्रदर्शन

उन्होंने जारी बयान में कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में आंकड़ों और जुमलों का ही प्रदर्शन है। रोज बच्चियों-महिलाओं से दुष्कर्म हो रहे है। अभिभाषण में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो दुर्दशा है उसके समाधान का कोई प्रयास नहीं दिखाई दिया।

जनसमस्याओं पर कोई जोर नहीं दिखा : मायावती

» राज्यपाल के अभिभाषण से बसपा प्रमुख असंतुष्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि प्रदेश में सर्वसमाज के करोड़ों लोग सरकार की गलत नीतियों व कार्यकलापों से दुखी व त्रस्त हैं। उन्हें गरीबी व बेरोजगारी आदि के कारण अनेकों पारिवारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा उन्हें अपने जान, माल व मजहब की चिंता सता रही है, जिसके बारे में राज्यपाल को अपने अभिभाषण में सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहिए था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र आज राज्यपाल द्वारा विधानमण्डल के संयुक्त अधिवेशन को सम्बोधन की संसदीय परम्परा से शुरू हुआ, किन्तु उनका यह भाषण परम्परा से हटकर प्रदेश के विकास व सर्वसमाज के उत्थान सहित व्यापक जनहित में वास्तविक व थोड़ा उत्साही होता तो यह बेहतर होता। बसपा सुप्रीमो ने सोमवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इससे जनता के साथ विपक्ष को भी आश्वासन मिलता। इसके अभाव के कारण ही राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष की नारेबाजी और हंगामा होता रहा। राज्यपाल के संबोधन में भाजपा की सरकार द्वारा जनहित व जनकल्याण संबंधी बड़े दावों, आश्वासनों, घोषणाओं व वादों आदि को पूरा करने संबंधी विवरणों का अभाव भी लोगों की चिंता का कारण रहा। उन्होंने आगामी बजट भाषण में इसका समायोजन करना उचित होगा। दरअसल राज्यपाल का भाषण प्रदेश के विकास व सर्वसमाज के उत्थान सहित व्यापक जनहित में होना चाहिए था।

एचपीएससी सिलेक्शन की बजाय हरियाणवी युवाओं के लिए रिजेक्शन कमीशन बना : हुड्डा

कांग्रेस सांसद का एलान- 17 फरवरी को करेंगे एचपीएससी दफ्तर का घेराव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि एचपीएससी सिलेक्शन की बजाय हरियाणवी युवाओं के लिए रिजेक्शन कमीशन के रूप में काम कर रहा है। हरियाणा के युवाओं का हक मारा जा रहा है। पंचकुला में आज भी एचपीएससी दफ्तर के बाहर बच्चों का धरना चल रहा है। हरियाणा सरकार और एचपीएससी एक साजिश के तहत नौकरी बाहर वालों को और ठोकर अपने वालों को दे रहा है।

जिस प्रकार हरियाणा की सरकार रिमोट कंट्रोल से दिल्ली से चल रही है वैसे ही नौकरियों का कंट्रोल भी बाहर से चल रहा है। क्योंकि ज्यादातर चयन बाहर के युवाओं का हो रहा है। हरियाणा के युवा यूपीएससी, आईआईटी,नेट, जेआरएफ एवं अन्य बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में टॉप कर लेते हैं लेकिन, एचपीएससी सोची-समझी साजिश के तहत अपनी परीक्षाओं में इन्हें अयोग्य ठहरा रहा है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि विकास के बड़े बड़े प्रोजेक्ट जैसे इंटरनेशनल एयरपोर्ट, रेल कोच फैक्ट्री, गुरुग्राम का रक्षा विश्वविद्यालय, झज्जर के 11 राष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य संस्थान, जो हमने मंजूर कराये थे वो भी बाहर चले गये और एचपीएससी में भी बाहर के नौजवान लग रहे हैं। ऐसे में हरियाणा के युवा कहां जाएं। उन्होंने कहा कि 17 फरवरी को युवा कांग्रेस पंचकुला एचपीएससी दफ्तर का घेराव करेगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने प्रदेश के युवाओं का आवाह्न किया कि 17 फरवरी को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पंचकुला पहुंचें और एचपीएससी दफ्तर के घेराव एवं विरोध प्रदर्शन में शामिल हों। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं के हक के लिए हम संसद, विधानसभा से लेकर सड़क तक लड़ाई लड़ेंगे।

भाजपा-आरएसएस पर भड़के एआईएमआईएम प्रमुख

» सावरकर को भारत रत्न देने की मांग पर प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा-आरएसएस पर संघ प्रमुख की उस मांग को लेकर तीखा हमला बोला, जिसमें उन्होंने वी.डी. सावरकर को भारत रत्न देने की बात कही थी। 1857 के विद्रोह में अपने योगदान के लिए जाने जाने वाले मौलवी अलाउद्दीन का जिक्र करते हुए ओवैसी ने सावरकर को सर्वोच्च नागरिक सम्मान देने के विचार की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद की मक्का मस्जिद के तत्कालीन इमाम मौलवी अलाउद्दीन ने अंग्रेजों के खिलाफ तब आवाज उठाई जब कुछ स्वतंत्रता सेनानी औरंगाबाद में कैद हो गए थे। ओवैसी ने कहा कि अंग्रेजों द्वारा संरक्षित निजाम हैदराबाद पर शासन कर रहे थे। उन पर हमला हुआ, लेकिन वे बच निकले। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वे काला पानी (अंडमान सेलुलर जेल) के पहले कैदी थे। मौलाना अलाउद्दीन का वहीं (जेल में) निधन हो गया।

एआईएमआईएम नेता ने आगे कहा कि आज आरएसएस उस व्यक्ति को भारत रत्न देने की मांग कर रहा है जिसने अंग्रेजों को छह दया याचिकाएं लिखी थीं। एक दिन ऐसा भी आएगा जब भाजपा नाथूराम गोडसे को भारत रत्न से सम्मानित करेगी।

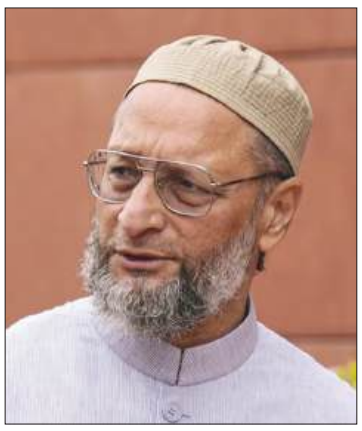

सरकारी छात्रावास में हिंदू सम्मेलन पर बवाल

» सांसद ने उठाए सवाल राजनीतिक बयानबाजी तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बांसवाड़ा। राजस्थान में में इन दिनों विभिन्न हिंदू संगठनों की ओर से विराट हिंदू सम्मेलन के आयोजन हो रहे हैं। इसी बीच डूंगरपुर जिले के डूंका गांव में एक छात्रावास में विराट हिंदू सम्मेलन के कार्यक्रम को लेकर सांसद राजकुमार रोत ने सवाल उठाए हैं। वागड़ में गांवों और कस्बों में ये सम्मेलन हो रहे हैं। इन सम्मेलनों में सभी जातियों के लोग सम्मिलित हो रहे हैं।

कहा जा रहा है कि विराट हिंदू सम्मेलन का उद्देश्य समाज में धार्मिक चेतना जागृत करना तथा संस्कारों और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। ऐसा ही सम्मेलन डूंगरपुर जिले के डूंका गांव में हुआ है, जिसका प्रचार पत्रक सांसद राजकुमार रोत ने एक्स पर पोस्ट किया है। सांसद राजकुमार रोत ने एक्स पर पोस्ट किया है कि दक्षिणी राजस्थान के एक स्कूल में स्थानीय बोली भाषा में भील प्रदेश गीत गाए जाने पर पूरे शिक्षा विभाग में खलबली मच गई थी।

विभाग के अधिकारियों ने तुरंत गाइड लाइन का हवाला देकर स्थानीय कर्मचारियों को निलंबित कर दिया था लेकिन आज उन्हीं स्कूलों और छात्रावासों में विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। ये किस गाइड लाइन के तहत हो रहा है? क्या नियम केवल कुछ आवाजों को दबाने के लिए हैं या फिर गाइड लाइन सब पर समान रूप से लागू होनी चाहिए?

उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व एक सरकारी स्कूल में बच्चों ने प्रार्थना सभा में भील प्रदेश के गीत की प्रस्तुति दी गई थी। इस पर हिंदूवादी संगठनों के साथ ही भारतीय जनता पार्टी ने आपत्ति जताई थी और कुछ कार्मिक निलंबित किए गए थे। अब सरकारी परिसर में हिंदू सम्मेलन पर सांसद ने आपत्ति की है। हालांकि उक्त सम्मेलन हो चुका है लेकिन सांसद की आपत्ति को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा आम हो रही है।

दक्षिण भारत में सियासी सरगर्मी फिर तेज

तमिलनाडु व कर्नाटक में वार-पलटवार जारी

» भाजपा पर कांग्रेस व डीएमके का प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण भारत में सियासी सरगर्मी बीच-बीच में नेताओं के बयान से बढ़ती रहती है। जैसे तमिलनाडु में डीएमएके नेता भाजपा पर मौका मिलने पर हमला करने से नहीं चूकते वैसे हीं कर्नाटक में भाजपा वाले कांग्रेस पर वार करके कभी कभी कानूनी दावंपेंच में भी फंस जाते हैं। इनसबके बीच रणनीतिकारों का कहना है कि दक्षिण में पांव पसार रही भाजपा वहां पर और ताकत के साथ आना चाहती है तो डीएमके व कांग्रेस अपने जनाधार को किसी हाल में खिसकने नहीं देना चाहते हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने 2026 विधानसभा चुनाव के लिए 200 सीटों का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करते हुए इसे एनडीए के खिलाफ एक निर्णायक मुकाबला बताया है। उन्होंने राज्य की स्वायत्तता और संघवाद को प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाते हुए केंद्र पर सत्ता के केंद्रीकरण का आरोप लगाया। 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले आक्रामक राजनीतिक और वैचारिक रुख अपनाते हुए, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने डीएमके कार्यकर्ताओं से 200 सीटों पर जीत हासिल करने के लिए अथक परिश्रम करने का आग्रह किया, साथ ही राज्य की स्वायत्तता और संघवाद का दृढ़तापूर्वक बचाव करने को कहा। डीएमके युवा विंग के दक्षिणी क्षेत्र के पदाधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि आगामी चुनाव तमिलनाडु और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बीच निर्णायक मुकाबला होगा।

कांग्रेस सरकार ने मुझे सच उजागर करने के लिए गिरफ्तार किया : तेजस्वी सूर्या

अपनी रिहाई के बाद एक पोस्ट में, तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उसकी वित्तीय स्थिति को खरा बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से बेंगलुरु की नम्मा मेट्रो को दी जा रही नकद सहायता को बहाल करने का आग्रह किया। भाजपा सांसद ने लिखा कि गिरफ्तार करने से मैं चुप नहीं रहूँगा! शर्मनाक है कि कांग्रेस सरकार ने मुझे सच उजागर करने के लिए गिरफ्तार किया। यह एक खाली ट्रंक सरकार है। कर्नाटक की वित्तीय स्थिति खराब है, और नागरिक बढ़ते मेट्रो किराए और आसमान छूती कीमतों के रूप में इसकी कीमत चुका रहे हैं। अब कोई बहाना नहीं चलेगा।

भाजपा सत्ता के केंद्रीकरण के प्रयास में : स्टालिन

स्टालिन ने कहा कि राज्य स्वायत्तता डीएमके का मूल सिद्धांत है। उन्होंने कहा कि भारत राज्यों का संघ है और संघवाद का सम्मान किया जाना चाहिए। स्वतंत्रता के बाद शुरुआती दिनों में राज्यों के पास बहुत कम शक्तियां थीं। संघर्षों के माध्यम से हमने कुछ शक्तियां वापस हासिल कीं न केवल तमिलनाडु के लिए, बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी। भारतीय जनता पार्टी पर सत्ता के केंद्रीकरण का आरोप लगाते हुए स्टालिन ने कहा कि केंद्र राज्य दलों को कमजोर करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा, वे तमिलनाडु को छू भी नहीं सकते। आगामी चुनावों में हमें उन्हें इसका करारा जवाब देना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि विधानसभा चुनावों में भी एनडीए को शून्य पर लाना होगा। अपनी अधूरी मांगों को गिनाते हुए स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु ने शिक्षा निधि, आपदा राहत, 50 प्रतिशत कर राजस्व हिस्सेदारी, नीट से छूट, मदुरै एम्स का निर्माण और परिसीमन पर आश्वासन मांगा था, लेकिन केंद्र से बिल्कुल कुछ नहीं मिला। उन्होंने आगे कहा कि जब भी बजट पेश होता है, हमें कभी कुछ नहीं मिलता।

भाजपा नेता का हिरासत में लेकर किया रिहा

तेजस्वी सूर्या को बेंगलुरु के जयनगर मेट्रो स्टेशन के पास पुलिस ने हिरासत में लिया और बाद में रिहा कर दिया। उन्होंने वहां कर्नाटक की सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रस्तावित मेट्रो किराए में वृद्धि के विरोध में प्रदर्शन करने का प्रयास किया था। भाजपा सांसद को कल पुलिस को पूर्व सूचना दिए बिना मेट्रो स्टेशन पर प्रदर्शन करने के लिए नोटिस जारी किया गया था। यह घटना कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार और केंद्र के बीच चल रहे विवाद के बीच घटी है, जिसमें दोनों सरकारें प्रस्तावित मेट्रो किराए में वृद्धि के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रही हैं।

लोकसभा चुनावों की जीत की तरह विस पर नजर

2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी की शानदार जीत को याद करते हुए स्टालिन ने कहा कि डीएमके ने सभी 40 संसदीय सीटों पर जीत हासिल करने का अपना वादा पूरा किया है और अब एक नया बेंचमार्क स्थापित करने के लिए तैयार है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि हमारा लक्ष्य 200 सीटों पर जीत हासिल करना है। भले ही किसी परिवार ने अभी तक हमें वोट न दिया हो, आपको अंतिम क्षण तक प्रचार करना होगा। उन्होंने जमीनी स्तर पर निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया।

'एक-दूसरे पर आरोप लगाना उचित नहीं'

परमेश्वर ने आगे कहा कि तेजस्वी सूर्या को मेरा बस यही सुझाव है कि वे कम से कम इन सभी पहलुओं पर गौर करें। केंद्र सरकार को हमें कई बुनियादी ढांचा परियोजनाएं मुहैया करानी होंगी। जो भी वैध धनराशि हमें मिलनी चाहिए, वह मिलनी चाहिए। यह परियोजना भारत सरकार और कर्नाटक सरकार दोनों द्वारा चलाई जा रही है। हमें मिलकर काम करना होगा। एक-दूसरे पर आरोप लगाना उचित नहीं है। जब भी किराए में वृद्धि होती है, मुझे लगता है कि यह सामूहिक निर्णय होना चाहिए। अब ये होड़ क्यों चल रही है?

कर्नाटक में मेट्रो किराये को लेकर सत्ता व विपक्ष आमने-सामने

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या को मेट्रो किराया वृद्धि के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि उन्हें बेंगलुरु के जयनगर मेट्रो स्टेशन के पास प्रदर्शन करने के बजाय फ्रीडम पार्क में प्रदर्शन करने के लिए कहा गया था। पत्रकारों से बात करते हुए, जी परमेश्वर ने केंद्र से मेट्रो किराए पर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ के बजाय सामूहिक निर्णय लेने का आग्रह किया। कर्नाटक के मंत्री ने कहा कि हमने उन्हें हिरासत में लिया और फिर रिहा कर दिया, क्योंकि वे कुछ विरोध प्रदर्शन और मुद्दे पैदा कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें उसी स्थान के बजाय फ्रीडम पार्क में वही विरोध प्रदर्शन करने के लिए कहा था। इसलिए उन्हें एहतियाती हिरासत में लिया गया है।

उत्तर व दक्षिण के नाम पर राजनीति चरम पर

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले, डीएमके के एक मंत्री द्वारा यह कहने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है कि उत्तर भारतीय प्रवासी राज्य में टेबल क्लीनर और पानी पूरी विक्रेता के रूप में काम करने आते हैं। तमिलनाडु के कृषि मंत्री एमआरके पन्नीरसेल्वम ने दो बनाम तीन भाषा विवाद को फिर से हवा दे दी - जिससे महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव से कुछ सप्ताह पहले हिंदी थोपने के मुद्दे पर एक और विस्फोटक टकराव की स्थिति बन गई है। मंत्री ने कहा था कि उत्तर से आए लोगों के पास, केवल हिंदी जानने के कारण, दक्षिणी राज्य में रोजगार के सीमित अवसर हैं और वे निम्न स्तर के काम करने के लिए मजबूर हैं, जबकि तमिल वासियों को राज्य की दो-भाषा नीति - जो तमिल और अंग्रेजी पर केंद्रित है - का लाभ मिलता है और उन्हें अमेरिका या लंदन में नौकरियां मिल जाती हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर से लोग तमिलनाडु में मेजें साफ करने आ रहे हैं... वे यहां निर्माण मजदूर, पानी पूरी बेचने वाले बनकर काम करने आ रहे हैं क्योंकि उन्होंने सिर्फ हिंदी ही सीखी है। लेकिन हमारे बच्चे विदेश जा रहे हैं... क्योंकि हम द्विभाषी नीति का पालन करते हैं और उन्होंने अंग्रेजी अच्छी तरह सीख ली है। वे विदेश जा रहे हैं और करोड़ों कमाने के अवसर पा रहे हैं... अमेरिका, लंदन में। इन टिप्पणियों को लापरवाह और खतरनाक बताते हुए, भाजपा ने इन्हें राज्य में प्रवासी श्रमिकों के खिलाफ हिंसा में वृद्धि से जोड़ा और कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित विपक्षी इंडिया ब्लॉक के नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाया। जैसे-जैसे विवाद बढ़ता गया, डीएमके के वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी को इन टिप्पणियों से अलग करने की कोशिश की। डीएमके सांसद टी आर बालू ने कहा कि पन्नीरसेल्वम के बयान को गलत तरीके से उद्धृत किया गया है और उन्होंने सी एन अन्नादुराई के नेतृत्व वाले द्रविड़ आंदोलन से चली आ रही पार्टी की हिंदी थोपने के प्रति लंबे समय से चली आ रही असहमति को दोहराया। मजदूर और उत्तर-दक्षिण तनाव डीएमके और भाजपा के बीच राजनीतिक लड़ाई के केंद्र में वापस आ गए हैं। तमिलनाडु के बाहर की विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने भी इस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

खेल को अनिवार्य विषय बना कर किशोरों को सुधारें

गाजियाबाद हादसे के बाद से समाज में एक सवाल जोर पकड़ रहा है कि बच्चे एकाकी होते जा रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण मोबाइल है। बच्चे अब खेलने खासतौर मैदानों में कम जाते हैं। जबकि मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि गांव और कस्बों में खेल शिक्षा को बढ़ावा देने की आश्यकता है। ग्रामीण खेल ढांचे को मजबूत करने की जरूरत है। खेलो इंडिया केंद्र स्थापित किए जाएँ, स्थानीय कोच नियुक्त हों और पंचायत स्तर पर खेल उपकरण उपलब्ध कराए जाएँ। बहुउद्देशीय खेल मैदान, प्रतिभा खोज अभियान, स्कूलों में खेल का एकीकरण और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना भी आवश्यक है, ताकि ग्रामीण प्रतिभाओं को अवसर मिल सके। सरकारी व निजी स्कूलों तथा कॉलेजों में खेल को अलग विषय और नियमित पीरियड के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।

जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताएँ हों, खेल क्लब बनाए जाएँ, खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि व रोजगार के अवसर मिलें तथा महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ाई जाए। गांवों-कस्बों में खेल मैदान, प्रशिक्षित कोच और नियमित खेल पीरियड अनिवार्य किए जाएँ। स्थानीय प्रतियोगिताएँ आयोजित हों और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति व उपकरण सहायता मिले। पंचायत और समुदाय की भागीदारी तथा डिजिटल माध्यम से प्रशिक्षण भी उपयोगी हो सकता है। पंचायत स्तर पर मैदान विकसित किए जाएँ और खेलो इंडिया जैसी योजनाओं के तहत उपकरण उपलब्ध कराए जाएँ। स्थानीय कोच, ग्रामीण प्रतियोगिताएँ और ब्लॉक स्तर पर अभ्यास केंद्र स्थापित हों। पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देकर मेधावी खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता और छात्रवृत्ति दी जानी चाहिए। सभी स्कूलों में खेल मैदान और शारीरिक शिक्षकों की नियुक्ति हो। छोटी कक्षाओं से ही बच्चों की रुचि पहचानकर उसी दिशा में प्रशिक्षण दिया जाए और अभिभावकों को भी प्रोत्साहित किया जाए, ताकि खेल को करियर के रूप में स्वीकार्यता मिले। जब बच्चे जटिल भावनात्मक समस्याओं से जूझ रहे होते हैं, तो अक्सर यह उनके खेल में दिखाई देता है। बच्चों को खेलने के लिए जगह देने से उन्हें दर्द, डर या हानि जैसी भावनाओं से निपटने का मौका मिलता है, साथ ही वे बच्चों की तरह व्यवहार भी कर पाते हैं। खेल आपके बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य को कैसे मजबूत बनाता है। खेलकूद हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। ये हमें स्वस्थ रहने और टीमवर्क, अनुशासन और नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण मूल्यों को विकसित करने में मदद करते हैं।

ग्रामीण खेल ढांचे को मजबूत करने की जरूरत है। खेलो इंडिया केंद्र स्थापित किए जाएँ, स्थानीय कोच नियुक्त हों और पंचायत स्तर पर खेल उपकरण उपलब्ध कराए जाएँ। बहुउद्देशीय खेल मैदान, प्रतिभा खोज अभियान, स्कूलों में खेल का एकीकरण और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देना भी आवश्यक है, ताकि ग्रामीण प्रतिभाओं को अवसर मिल सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एक किताब और फिल्म को लेकर हंगामे से उपजे प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

गत सप्ताह एक फिल्म और एक किताब देशभर में चर्चा के केंद्र में रही, 'घूसखोर पंडत' नामक फिल्म का शीर्षक बदलने और इससे जुड़ी तमाम प्रचार सामग्री हटाने पर नेटफ्लिक्स ने सहमति जताई है, इससे पहले कुछ नाराज लोगों ने 'जातिवादी' अपमान का विरोध किया, लखनऊ के हजरतगंज पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय से शिकायत की— प्रकरण के आखिर में बीजेपी नेता गौरव भाटिया ने जीत की घोषणा करते हुए कहा, 'सनातन धर्म का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'। भाटिया ने कहा, 'हम उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने को प्रतिबद्ध हैं जो व्यावसायिक लाभ के लिए किसी भी जाति या समुदाय का अपमान करते हैं' और आगे कहा 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत है'।

यह साफ नहीं कि बीजेपी नेता को क्या यह पता है कि ऐसा करते वक्त वे हास्य में निहित पहलू दबाने के अलावा व्यंग्य की मौत का जश्न भी मना रहे हैं। निश्चित ही, हास्यास्पद शीर्षकों का चलन हटा देना चाहिए। या शायद अब इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, खासकर तब जब आधा हफ्ता लोकसभा में बार-बार के स्थगन में निकल गया हो। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पूर्व सेनाध्यक्ष, जनरल मनोज मुकुंद नरवणे द्वारा लिखी गई एक किताब को लेकर लगातार सवाल उठाने पर बजिद रहे। सत्ताधारी बीजेपी भी उतनी ही दृढ़ता से अड़ी रही, किसी भी चर्चा की अनुमति देने से इनकार करते हुए यह तर्क दिया कि किताब प्रकाशित नहीं हुई है और लिहाजा संसद में इस पर बहस नहीं की जा सकती। जो चीज मौजूद नहीं, उस पर चर्चा संभव नहीं, ठीक? सिवाय इसके कि राहुल सदन के अंदर और बाहर प्रकाशन-पूर्व कॉपी लहराते रहे। हालांकि, इसकी पीडीएफ कॉपी पूरी दुनिया के पढ़ने के लिए उपलब्ध है। लेकिन सरकार भी सही है। किताब बाजार में उपलब्ध नहीं। रक्षा मंत्रालय अभी भी जांच कर रहा है कि इसकी सामग्री सही है या नहीं।

जनरल नरवणे के आत्मकथात्मक विवरण में कुछ दिलचस्प बातें हैं। इनमें जून 2020 में लद्दाख के गलवान में भारत-चीन के बीच हुआ टकराव शामिल है - जब 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे, और चार चीनी सैनिक भी मारे गए थे, हालांकि रूस की 'तास' जैसी विदेशी समाचार एजेंसियों का कहना था कि 45 चीनी मारे गए थे -

साथ ही कुछ महीने बाद कैलाश शृंखला में हुई कार्रवाई का जिक्र भी है। किताब में भूटान के प्रभावशाली पूर्व राजा, जिग्मे सिंग्ये वांगचुक, जो के-4 नाम से लोकप्रिय हैं, उनके साथ हुई बातचीत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तरफ से आए संदेश; इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री के साथ बैठकों का जिक्र भी शामिल है। देखा जाए तो, जिस पैराग्राफ ने राजनीतिक तूफान खड़ा किया है, वह लगभग हानिरहित है, और वास्तव में पूर्व सेना प्रमुख की कुछ पेसोपेश प्रस्तुत करता है - एक पैराग्राफ जिसे राहुल ने पकड़ रखा है। वह यह है कि जब चीनी सेना पीएलए के चार टैंक फिंगर-4 के पूर्व में कैलाश की चोटियों पर कब्जा जमा चुके भारतीय सैनिकों की ओर बढ़ रहे थे, तो जनरल नरवणे ने रक्षा मंत्री को फोन किया और उनसे पूछा कि अगली कार्रवाई पर मेरे लिए क्या आदेश है। राजनाथ सिंह ने, कथित तौर पर पीएम से बात करने के उपरांत, कुछ घंटों के बाद उन्हें वापस फोन किया। समाचार एजेंसी पीटीआई ने एक साल से भी पहले किताब के प्रकाशक द्वारा भेजी प्रेस विज्ञप्ति के हवाले से बताया है, नरवणे लिखते है: 'मैंने रक्षा मंत्री को स्थिति की गंभीरता बताई, जिन्होंने कहा कि वह मुझसे वापस संपर्क करेंगे, जो उन्होंने लगभग 22.30 बजे किया। उनका कहना था कि उन्होंने प्रधानमंत्री से बात की है और यह मामला पूरी तरह से एक सैन्य निर्णय है। जो उचित समझो, वो करो। किसी सुस्पष्ट निर्णय की अनुपस्थिति में मुझे 'कोरा कागज' पकड़ा दिया। खुली छूट के साथ, सारा दारोमदार मुझ पर छोड़ दिया गया। सोचकर देखिए, क्या किसी प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री को अपने सेना प्रमुख से यही नहीं कहना चाहिए? वे सेनाध्यक्ष इसीलिए हैं कि जमीनी हकीकत का उन्हें सबसे अच्छी तरह पता हो, खासकर जब दुश्मन आगे बढ़ रहा हो, और इसलिए देशहित में जो बेहतरीन हो, उसे वही करना चाहिए।

हम सब जानते हैं कि जब राजनीति सैन्य मामलों में दखल देती है, तो क्या होता है, और इसके उलट का भी। भारत के पड़ोसी देश ढोंग करने वालों से भरे पड़े हैं, सैन्य और सिविलियन दोनों ही रूपों में। लेकिन हर कोई जानता है कि शक्तियों के बंटवारे में, जो लोकतंत्र की रीढ़ है, कुछ व्यावहारिक नियम दोनों पक्षों के लिए साफ-स्पष्ट होते हैं। राहुल का तर्क है कि जब से सरकार सत्ता में आई है, राष्ट्रीय सुरक्षा उसका मुख्य मुद्दा रहा और जब 2020 में लद्दाख में संकट आया, तो प्रधानमंत्री अपने सेनाध्यक्ष को सही सलाह नहीं दे पाए।

तंग नजरिये से छोटा न हो भारतीयता का आंगन

विश्वनाथ सचदेव

अखबार में उस दिन दो खबरें एक साथ दिखीं। पहली खबर उत्तराखंड के कोटद्वार की है। वहां एक दुकान है, स्कूली ड्रेस बिकती हैं वहां। नाम है 'बाबा स्कूल ड्रेस और मैचिंग सेंटर'। पिछले 30 साल से चल रही इस दुकान के 75 वर्षीय मुस्लिम मालिक को कुछ लोग धमका रहे हैं कि वह दुकान का नाम बदले बाबा शब्द को हटा दें। भले ही आप अपने पिता को बाबा कहते हैं पर इस दुकान का नाम बदलवाने की मांग करने वालों का कहना है कि कोटद्वार में बाबा सिद्धबली का मंदिर है। उन्हें लगता है कि इस 'बाबा' नाम पर हिंदुओं का एकाधिकार है और किसी मुसलमान को अपनी दुकान का नाम हिंदुओं के देवता के नाम पर रखने का अधिकार नहीं है। अपने आप को हिंदू धर्म का रक्षक मानने वालों की उस भीड़ ने कुछ दिन पहले भी इस नाम को बदलने की मांग की थी, और अब फिर इस बात का जवाब मांग रहे थे कि 'अब तक नाम बदला क्यों नहीं गया'।

यह जानना जरूरी है कि उस भीड़ के लोग आग्रह नहीं कर रहे थे, धमका रहे थे। उनकी धमकियों का शोर सुनकर पास के जिम का युवा मालिक वहां पहुंचा। जब उसने शोर मचाने वालों को रोकने की कोशिश की और बाबा स्कूल ड्रेस के उम्रदराज मुसलमान मालिक का पक्ष लिया तो उन उपद्रवियों ने उस युवक का नाम पूछा। युवक ने बुलंद आवाज में अपना नाम बताया मोहम्मद दीपक। उसका नाम दीपक कुमार ही था, पर उपद्रवियों के सामने तनकर खड़ा होते हुए उसने स्वयं को मोहम्मद कहा था। एक मुसलमान पड़ोसी के हितों की रक्षा के लिए किसी हिंदू का सामने आना इस देश के लिए नई बात नहीं है, पर दीपक कुमार का स्वयं को मोहम्मद बताना और वह भी सांप्रदायिकता का जहर फैलाने वालों के सामने, साहस की मांग करता है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया और इस साहस के लिए देश के विवेकशील नागरिक उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। विवेकशील लोगों की कमी नहीं है देश में, पर अन्याय के खिलाफ खड़े होकर न्याय के लिए खतरा मोल लेना भी कोई आसान काम नहीं है।

दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया है। ऐसे हर दीपक का हौसला बढ़ाने की आवश्यकता है। जिस दिन अखबार में 'मोहम्मद दीपक कुमार' की यह खबर छपी थी, उसी दिन एक खबर देश की पूर्वी सीमा से भी आयी थी। असम की बात है यह। मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा का एक बयान छपा था अखबारों में। वह कह रहे थे कि मुसलमान रिक्शा चालक को हिंदुओं से कम मेहनताना देना चाहिए। कोई भी यदि इस तरह के भेदभाव वाली बात कहे तो उसे गलत ही कहा जायेगा। पर यदि कोई मुख्यमंत्री ऐसी बात करता है तो उसकी सोच पर गुस्सा ही नहीं आता, तरस भी आता है। मुख्यमंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर बैठा कोई व्यक्ति यदि इस तरह की घटिया सोच का प्रदर्शन करता है तो बात और भी गंभीर हो जाती है। यह दुर्भाग्य ही है कि आजादी अर्जित करने के इतने साल बाद इस तरह की सोच के उदाहरण सामने आ रहे हैं। जब हमारे पूर्वजों ने देश के संविधान में पंथ-निरपेक्ष भारत की व्यवस्था की थी तो यह निर्णय बहुत सोच-विचार कर लिया गया था। यह सही है कि देश का बंटवारा धर्म के नाम पर हुआ था, पर हमारे तत्कालीन नेताओं ने कभी यह नहीं स्वीकारा कि हमारा भारत किसी एक धर्म को मानने वालों का देश बन जाये।

दुनिया में शायद ही कोई और देश होगा जहां इतने धर्मों को मानने वाले लोग हों जितने हमारे देश में हैं। भारत ने हर धर्म का स्वागत किया है। हमारी बहुधर्मिता हमारी ताकत है। यह सही है कि भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत आबादी हिंदू है, लेकिन यहां हर धर्म को मानने वालों को अपनी आस्था के अनुसार जीने का अधिकार हमारा संविधान देता है। ऐसे में जब धर्म के आधार पर भेदभाव करने का कोई उदाहरण सामने आता है, और यदि उदाहरण मुख्यमंत्री स्तर का कोई व्यक्ति प्रस्तुत करता है तो हैरानी भी होती है, और पीड़ा भी। कुछ ऐसा ही एक उदाहरण पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने प्रस्तुत किया है। 'सबका साथ, सबका विकास' हमारे प्रधानमंत्री जी का प्रिय नारा है। वे और उनकी पार्टी के अन्य नेता इस बात का दावा भी करते हैं कि भाजपा की सरकारें बिना किसी भेद-भाव के हर धर्म को मानने वाले के विकास की चिंता करती हैं। होना भी यही चाहिए। प्रधानमंत्री सिर्फ अपने दल का ही नेता नहीं होता, सारे देश का प्रधानमंत्री होता है वह। इसलिए, जब सबके साथ और सबके विकास की बात होती है तो उसका स्वागत ही होना चाहिए। पर पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु खुलेआम यह कह रहे हैं कि इस नीति को बदला जाना चाहिए।

हाल ही में उन्होंने यह कहा है कि 'अब' यह नीति नहीं चलेगी। उन्होंने घोषणा की है कि 'जो हमारे साथ हैं, हम उसके साथ हैं'। स्पष्ट है, वे अपने राजनीतिक विरोधियों की ही नहीं, गैर हिंदुओं की भी बात कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि कुछ अर्सा बाद पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं। उसके कुछ बाद असम में चुनाव की बारी है। ऐसी स्थिति में इन दोनों राज्यों में धर्म के आधार पर भेदभाव की आशंकाएं मंडरा रही हैं। सवाल सिर्फ चुनाव में हार-जीत का नहीं है, सवाल उस बीमार सोच का है जिसके चलते देश की जनता को धर्म के आधार पर बांटा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भले ही किसी भी सोच के अंतर्गत 'बटेंगे तो कटेंगे' की चेतावनी दी हो, पर यह चेतावनी सारे देश के लिए है हमने अपने संविधान में हर भारतीय को समता, न्याय और बंधुता के आधार पर समान अधिकार देने की व्यवस्था की थी।

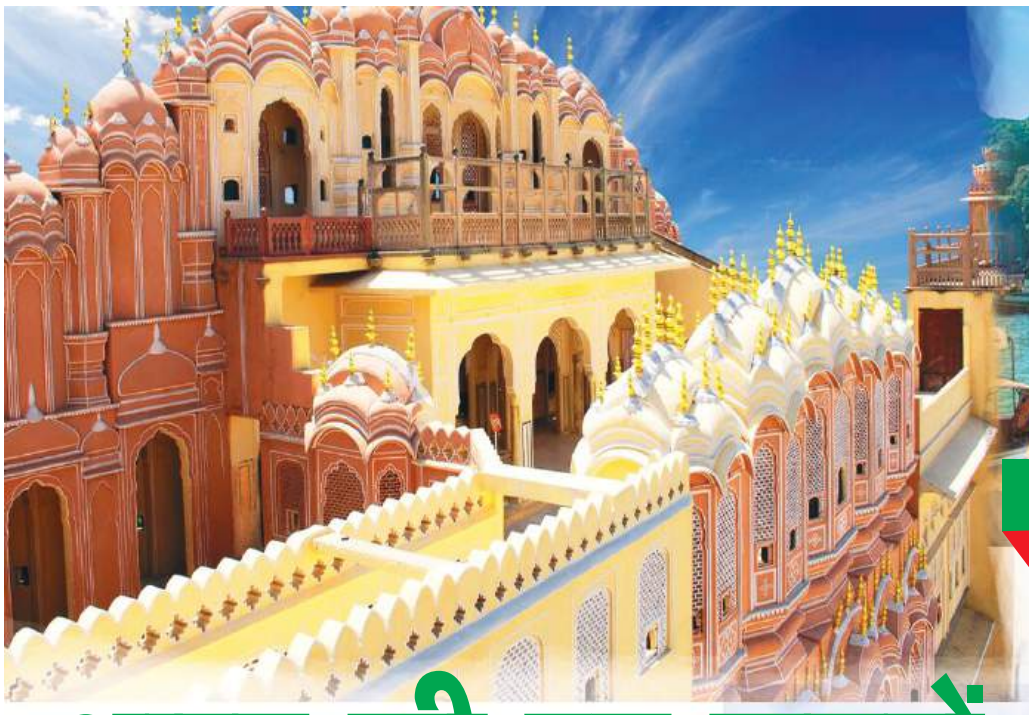

भारत की इन जगहों पर ठंड की एंट्री नहीं!

सर्दियों में कड़कड़ाती ठंड और बर्फीली वादियों से दूर अगर सुनहरी धूप और कुछ गर्माहट का अहसास चाहते हैं तो भी भारत में कई विकल्प हैं। देश में कई ऐसे स्थान हैं जहां जनवरी-फरवरी की सर्दी में धूप और गर्माहट को महसूस किया जा सकता है। ठंड की कंपकंपाती हवाओं से घबराकर रज़ाई में दुबके रहने की बजाय क्यों न इस बार ऐसी जगह चला जाए जहां जनवरी- फरवरी में भी धूप आपके कंधों को प्यार से सहलाती रहे? भारत में कुछ स्थान ऐसे हैं जो सर्दियों में भी गर्माहट से भरे रहते हैं। यहां न तो कोहरा दिखता है और न ही ठंडी हवाएं कपकपाने को मजबूर करती है, बस सुनहरी धूप और छुट्टियों का पूरा मजा मिलता है।

जयपुर

धूप का सौंदर्य और राजस्थानी रॉयल्टी एक साथ अनुभव प्राप्त करने के लिए जयपुर जा सकते हैं। सर्दियों में हल्की-हल्की धूप में जयपुर के किले और हवेलियों का रोमांस कुछ और ही है। यहां ठंड तो होती है पर इतनी नहीं कि सैर में बाधा आए। जयपुर में आप आमेर फोर्ट, हवा महल, सिटी पैलेस और चौखी ढाणी घूमने जा सकते हैं।

अंडमान-निकोबार

सर्दियों में सबसे ट्रॉपिकल अनुभव के लिए अंडमान-निकोबार की यात्रा पर जा सकते हैं। यहां सर्दी में भी समुद्र के पानी में पैर डालकर घंटों बैठा जा सकता है। अंडमान-निकोबार में सर्दी सिर्फ कैलेंडर में मिलती है, मौसम में नहीं। अगर यहां आएं तो हैवलॉक बीच, जेल म्यूज़ियम, और ग्लास-बोट राइड का लुत्फ उठाएं।

लक्षद्वीप

यह सूरज की गोद में बसी नीली दुनिया है, जहां कोई भी मौसम या महीना हो ठंड को एंट्री ही नहीं मिलती। सर्दियों में भी पानी गर्म, आसमान साफ और कोरल वर्ल्ड अपनी खूबसूरती पर होता है। लक्षद्वीप में आप स्नॉर्कलिंग, स्कूबा, मिनिकॉय और कवरत्ती भ्रमण के लिए जा सकते हैं।

गोवा

सर्दियों की छुट्टी में गोवा जा सकते हैं। यहां समुद्र किनारे बैठकर सनबाथिंग का सबसे खूबसूरत अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। दिसंबर-जनवरी में गोवा का तापमान हल्का गर्म रहता है। सर्दी समुद्री तट पर बीच पार्टी के जोश, लहरों में नहाने और मस्ती करने के बीच का रोडा नहीं बनती है। यहां कैंडोलिम, बागा, कोलवा बीच घूमने जा सकते हैं। इस दौरान वॉटर स्पोर्ट्स और क्रूज नाइट का लुत्फ उठा सकते हैं। सामान्यतः सर्दियों में भी यहां का तापमान 25 से 30 डिग्री सेल्सियस रहता है।

हंसना मना है

मां- बेटा क्या कर रहे हो? बेटा-पढ़ रहा हूं मां.. मां- शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा-आपकी होने वाली बहु के एसएमएस, दे थप्पड़, दे थप्पड़!

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से- तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके- अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

लड़की वाले लड़का देखने गए, लड़की वाले- कितना कमा लेते हो? लड़का- इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले- फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया, और सारी कमाई चली गयी।

टीचर- मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य- उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य- उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू - पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

मां अपने तोतले बेटे से बोली- बेटा, आज हम जहां लड़की देखने जा रहे हैं, तुम वहां बोलना मत, वरना ये लोग भी मना कर देंगे। बेटा: थीत है। लड़की वालों के घर जब लड़की चाय लेकर आई तो लड़का चाय पीते ही बोला, दलम है दलम है। लड़की तुरंत बोली, ओए फूत माल फूत!

कहानी — लोमड़ी और सारस की दावत

एक जंगल में एक लोमड़ी और सारस रहते थे। दोनों बहुत अच्छे दोस्त थे। सारस रोजाना लोमड़ी को तालाब से मछली पकड़ कर खाने के लिए देता था। इस प्रकार दोनों की दोस्ती बहुत गहरी होती चली गई। सारस बहुत सीधा साधा था, लेकिन लोमड़ी बहुत शैतान और चालाक थी। वह हमेशा दूसरों को परेशान किया करती थी। उसे दूसरों का अपमान करने और मजाक उड़ाने में बहुत मजा आता था। एक दिन उसने सोचा कि क्यों न एक बार सारस का भी अपमान किया जाए। उसने सारस को दावत पर बुलाया। उसने जान बूझकर सूप एक प्लेट में परोसा। उसे पता था कि सारस प्लेट में से सूप को नहीं पी सकता। उसे सूप न पीता देख लोमड़ी मन ही मन बहुत खुश हुई और झूठी चिंता दिखाते हुए सारस से पूछने लगी कि क्या बात है मित्र सूप पसंद नहीं आया क्या? सारस बोला नहीं मित्र, यह तो बहुत स्वादिष्ट है। सारस ने जब देखा कि सूप को प्लेट में परोसा गया है और लोमड़ी जान बूझकर उससे सवाल कर रही है, तो वह सब समझ गया, लेकिन कुछ नहीं बोला। उस दिन सारस को अपमान सहने के साथ ही भूखा भी रहना पड़ा, लेकिन सारस ने भी उसे अपने यहां दावत पर बुलाया और लोमड़ी दूसरे ही दिन सारस के घर दावत पर पहुंच गई। सारस ने भी दावत में सूप बनाया था और लोमड़ी के साथ लंबी चोंच वाले अन्य पक्षियों को भी बुलाया था। सारस ने सूप को सुराही में परोसा। सुराही का मुंह इतना छोटा था कि उसमें बस चोंच ही अंदर जा सकती थी। लोमड़ी पूरा टाइम सुराही और अन्य सभी पक्षियों को सूप पीते देखती रही। इसी बीच सारस ने पूछा कि क्या बात है मित्र सूप अच्छा नहीं लगा क्या, लोमड़ी को अचानक अपने शब्द याद आ गए। सभी बोले कि सूप बहुत स्वादिष्ट है। लोमड़ी को भी सभी की हां में हां मिलाना पड़ा। यह सब देख लोमड़ी अपने आप में बहुत अपमानित महसूस कर रही थी, लेकिन कुछ कह नहीं सकी।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। विवाद न करें। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्यापार में नए अनुबंध होंगे। व्यापार अच्छा चलेगा।

वृषभ — सुख के साधन जुटेंगे। प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे।

मिथुन — दुःखद समाचार मिल सकता है। विरोध होगा। व्यर्थ भागदौड़ होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। विवाद न करें। कार्य निर्णय बहुत शांति से विचार करके करना ही शुभ है।

कर्क — व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा संभव है। विवाद न करें। रोजगार मिलेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

सिंह — कुसंगति से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। विवाद न करें। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा।

कन्या — वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ होगा। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा।

तुला — नई योजना बनेगी। कार्य का विस्तार होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। अजनबियों पर विश्वास न करें।

वृश्चिक — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। समाज के कामों में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

धनु — पुराना रोग उभर सकता है। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। आय में कमी रहेगी। धैर्य रखें। स्वास्थ्य की समस्या हल होगी। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर — परिवार की चिंता रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। परोपकार करके मानसिक सुख अर्जित करेंगे।

कुम्भ — शत्रु परास्त होंगे। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त हो सकती है। रोजगार मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन गतिविधियां लाभकारी रहेंगी। रुका धन मिलेगा।

मीन — विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोजगार की चिंता रह सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सिनेमाघरों से पहले ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म 'तू या मैं'

बॉलीवुड | गपशप

फिल्म तू या मैं वैलेंटाइन डे से एक दिन पहले 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। मेकर्स ने सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म के ओटीटी पर रिलीज डेट का भी एलान कर दिया है। बिजोय नांबियार के निर्देशन में बनी फिल्म 10 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इसमें आदर्श गौरव और शनाया कपूर ने अहम किरदार निभाया है। ओटीटी प्ले के मुताबिक टीम ने आठ हफ्ते की थिएट्रिकल विंडो तय की है। फिल्म के ओटीटी पर आने से पहले दर्शक इसे बड़े पर्दे पर 56 दिनों तक देख सकेंगे। डिजिटल प्रीमियर अप्रैल के दूसरे शुक्रवार को होगा।

फिल्म तू या मैं की टैगलाइन है, कुछ कोलैब जिंदगी भर के लिए होते हैं। कुछ आपकी जिंदगी खत्म कर देते हैं। कहानी मिस वैनिटी और ए पर आधारित है, जो इन्फ्लुएंसर हैं। दोनों एक वीडियो शूट करने के लिए मिलते हैं। तभी उनके साथ एक अजीब घटना होती है। एक मगरमच्छ उन्हें घेर लेता है। अब उनकी जिंदगी का मकसद जिंदा रहना बन जाता है। फिल्म तू या मैं के लेखक अभिषेक बेंडेकर हैं। इसमें आदर्श गौरव और शनाया कपूर के अलावा मोना सिंह, पारुल गुलाटी और सिद्धार्थ सिबल नजर आएंगे। आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा द्वारा निर्मित 'तू या मैं' थ्रिलर भरी कहानी है। 22 जनवरी को फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इस पर दर्शकों ने मिलीजुली प्रतिक्रिया दी थी।

सनी लियोनी की फिल्म 'कैनेडी' का ट्रेलर हुआ रिलीज 20 फरवरी को ओटीटी पर देगी दस्तक

बॉलीवुड | चर्चा

अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी फिल्म कैनेडी आखिर भारतीय दर्शकों तक पहुंचने वाली है। साल 2023 में इस थ्रिलर फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल में करीब सात मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला था। मगर, भारत में यह फिल्म अब तक रिलीज नहीं हुई थी। अब यह फिल्म ओटीटी पर दस्तक देगी। रविवार को इसका ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसी के साथ इसकी रिलीज डेट भी पता चल गई है।

फिल्म कैनेडी इसी महीने रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म जी 5 पर होगा। जी5 के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसके साथ लिखा है, सिस्टम ने कैनेडी को एक हथियार बनाया था, पर यह वो हथियार है, जो सिस्टम से नहीं अपनी मर्जी से चलता है। फिल्म का प्रीमियर 20 फरवरी से ZEE 5 पर होगा।

फिल्म कैनेडी में सनी लियोनी के अलावा राहुल भट्ट लीड रोल में हैं। राहुल ने पुलिस अफसर का रोल निभाया है। यह एक थ्रिलर फिल्म है, जिसकी कहानी एक पूर्व पुलिस अफसर के इर्द-गिर्द घूमती है। वह सोता नहीं है और उसे काफी समय से मरा हुआ समझ लिया गया है। पुलिस ऑफिसर को इसकी परवाह नहीं है, क्योंकि वह भ्रष्ट सिस्टम के खिलाफ काम करता है। वह चुपचाप रात के अंधेरे में अपराध की गलियों में निकलता है और जुर्म-हत्याओं को अंजाम देता है। इस फिल्म की कहानी बदले पर आधारित है। कान फिल्म फेस्टिवल के अलावा कैनेडी ने कई और अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में अपना सफर जारी रखा। यह फिल्म और सिडनी फिल्म समारोह में भी प्रदर्शित हुई।

बॉलीवुड | मन की बात

ट्रोल होने पर मैं कभी-कभी बहुत रोती हूं : तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ओ रोमियो को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म वैलेंटाइन डे से एक दिन पहले 13 फरवरी को रिलीज होने वाली है। फिल्म में तृप्ति डिमरी अफशा का किरदार निभाएंगी। इसमें उनके साथ शाहिद कपूर अहम किरदार में हैं। तृप्ति डिमरी से जब पूछा गया कि जब कोई उन्हें ट्रोल करता है, तो उन्हें कैसा लगता है? इस पर उन्होंने कहा मैं रोती हूं। इंसान हूं, इसलिए कभी-कभी बहुत रोती भी हूं। लेकिन अगर कोई मेरी फिल्म या मेरे काम को लेकर आलोचना करे, तो मैं उस पर नहीं रोती। मैं इसे ऐसे लेती हूं कि किसी को मेरा काम पसंद आएगा, किसी को नहीं। सबको खुश करना संभव नहीं है। उन्होंने आगे कहा हां, अगर कोई पर्सनल कमेंट कर दे, तो वह बात मुझे बुरी लगती है। बिलकुल अच्छा नहीं लगता। लेकिन फिर भी, मैं उस पर रोती नहीं हूं। मुझे कोई इतनी आसानी से रुला नहीं सकता। तृप्ति डिमरी ने प्यार पर अपनी बात रखते हुए कहा अगर मैं खुद को फिल्म की लव स्टोरी में रखूं, तो जिस बात से मैं सबसे ज्यादा जुड़ पाती हूं, वह है इस कहानी में मौजूद प्यार की सच्चाई। मुझे हमेशा लगता है कि प्यार ऐसा ही होना चाहिए। सीधा, साफ और बिल्कुल पवित्र। यही चीज इस कहानी में भी है। यही बात मेरी अपनी रियल लाइफ से भी सबसे ज्यादा मिलती है। फिल्म ओ रोमियो एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसके लेखक और निर्देशक विशाल भारद्वाज हैं। इसके निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। फिल्म में तृप्ति और शाहिद के अलावा नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी और फरीदा जलाल भी होंगी।

सूर्य ग्रहण के दौरान क्या करते हैं जानवर जानवरों की दुनिया का अलग है नियम!

17 फरवरी 2026 को साल का पहला सूर्य ग्रहण लगने वाला है, जो एनुलर (रिंग ऑफ फायर) प्रकार का होगा और मुख्य रूप से अंटार्कटिका में दिखाई देगा। इंसानों के लिए ग्रहण के दौरान कई धार्मिक और वैज्ञानिक नियम होते हैं, जैसे घर में रहना, भोजन ना करना, मंत्र जपना आदि। लेकिन क्या आपने कभी सोचा कि इस दौरान जानवर क्या करते हैं? जानवरों की दुनिया में कोई नियम नहीं है। बस प्रकृति का संकेत है। वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि सूर्य ग्रहण के दौरान जानवर अजीब और अनोखा व्यवहार करते हैं, क्योंकि अचानक दिन में अंधेरा छा जाता है, तापमान गिरता है और हवा बदलती है। यह उनके लिए 'असामान्य रात' जैसा लगता है। वैज्ञानिकों ने कई ग्रहणों (जैसे 2017, 2024 के टोटल सोलर इक्लिप्स) में जानवरों का व्यवहार ऑब्जर्व किया है। इसके आधार पर कई शॉकिंग फैक्ट्स सामने आए हैं। पक्षियों का व्यवहार सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। दिन के पक्षी (डायर्नल) चुप हो जाते हैं, उड़ना बंद कर देते हैं और पेड़ों पर बैठ जाते हैं। 2024 के ग्रहण में अमेरिका के कई इलाकों में पक्षियों ने 'डॉन कोरस' (सुबह की चहचहाहट) गाया, जैसे ग्रहण खत्म होने पर नई सुबह हुई हो। वहीं उल्लू, नाइटहॉक जैसी नॉक्टर्नल प्रजातियां सक्रिय हो जाती हैं, आवाज करने लगती हैं। कॉर्नेल लैब ऑफ ऑर्निथोलॉजी ने 2017 में eBird डेटा से देखा कि ब्लैक वल्चर रोस्ट करने आए लेकिन सूरज निकलते ही उड़ गए। कीड़ों में भी बदलाव आता है। क्रिकेट्स शाम की तरह चिरप करने लगते हैं, जुगनू (फायरफ्लाइज) चमकने लगते हैं। 2017 में मिसौरी से नॉर्थ कैरोलिना तक जुगनू की 10 रिपोर्ट्स आई थी। मधुमक्खियां हाइव में लौट जाती हैं, मकड़ियां जाले उतारने लगती हैं। 1991 के ग्रहण में मेक्सिको में ऑर्ब-वीविंग स्पाइडर्स ने जाले तोड़े, जैसे रात हो गई हो। आर्टिफिशियल लाइट वाली स्पाइडर्स ने ऐसा नहीं किया, यानी लाइट का असर साफ है। स्तनधारियों में भी अजीब हरकतें की। जिराफ घबराकर दौड़ने लगते हैं, घोड़े सिर हिलाते और क्लस्टर बनाते हैं। गायें बर्न में लौट जाती हैं। जू में गोरिल्ला आक्रामक हो जाते हैं, चिंपैंजी ऊंची जगह चढ़कर आकाश देखते हैं। कुछ जानवर जैसे वारथॉग, जेब्रा, लायन बिल्कुल रिएक्ट नहीं करते। 2024 के फोर्ट वर्थ जू अध्ययन में बोनोबो, उल्लू, कोयोट्स आदि ने शाम की रूटीन शुरू किया था। वन्यजीवों में भी यही हाल देखने को मिला।

अजब-गजब | यह है दुनिया का अनोखा गांव

इस गांव में बिजली-पानी का नहीं है नामोनिसान लोगों के लिए मोबाइल चार्ज करना भी है एक संघर्ष

कभी सोचा है कि आधुनिकता की चकाचौंध और तकनीक के शोर-शराबे से दूर क्या कोई ऐसी जगह हो सकती है, जहां मोबाइल चार्ज करना भी एक संघर्ष हो? अगर नहीं जानते तो बता दें कि उरुग्वे के पूर्वी तट पर बसा एक छोटा सा गांव काबो पोलोनियो इसी सादगी और संघर्ष की जीती-जागती मिसाल है। अटलांटिक महासागर के किनारे रेत की एक पतली पट्टी पर बसे इस गांव में न तो बिजली की लाइनें हैं, न ही नलों में बहता पानी और न ही सड़कों का कोई नामोनिशान। यहां की शांति इतनी गहरी है कि यहां रहने वाले लोग रात को केवल मोमबत्तियों की रोशनी और चांद के उजाले के भरोसे अपनी जिंदगी बिताते हैं। काबो पोलोनियो मुख्य राजमार्ग से लगभग 7 किलोमीटर दूर है, लेकिन यहां पहुंचने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं है। पर्यटकों को यहां जाने के लिए या तो रेत के विशाल टीलों पर पैदल चलना पड़ता है या फिर विशेष 4म4 वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। पूरे गांव में केवल एक भव्य लाइटहाउस ही ऐसी संरचना है, जो बिजली ग्रिड से जुड़ी हुई है, बाकी पूरा गांव अंधेरे में डूबा रहता है। ऐसे में मोबाइल चार्ज के लिए भी भीड़ लगी रहती है। यहां रहने वाले कुछ सौ लोग पीने के पानी के लिए कुओं या बारिश पर निर्भर हैं। कुछ व्यवसायों ने सौर पैनल या पवन चक्कियों का इंतजाम जरूर किया है, लेकिन वे भी बहुत सीमित हैं। इस गांव की सबसे बड़ी खासियत यहां की प्राकृतिक सुंदरता और वन्यजीव हैं। यहां दक्षिण अमेरिका की सबसे बड़ी सी-लॉयन कॉलोनियों में से एक है। लाइटहाउस की चोटी से इन्हें पत्थरों पर आराम करते हुए आसानी से देखा जा सकता है। इसके अलावा सितंबर से नवंबर के बीच यहां शांत पानी में व्हेल मछलियों का दीदार भी आम बात है। चूंकि यहां स्ट्रीट लाइट और पेड़ों की कमी है, इसलिए काबो पोलोनियो का आसमान उरुग्वे के सबसे अंधेरे और साफ आसमानों में गिना जाता है, जहां रात को चांद और सितारे अपनी पूरी चमक के साथ दिखाई देते हैं। पर्यटकों के लिए यह जगह किसी जन्नत से कम नहीं है, विशेषकर अर्जेंटीना और ब्राजील के उन लोगों के लिए जो शहरी कोलाहल से दूर सुकून की तलाश में आते हैं। हालांकि, यहां के निवासियों के लिए चुनौतियां कम नहीं हैं। मोबाइल फोन चार्ज करने के लिए लोगों को किराने की मुख्य दुकान पर निर्भर रहना पड़ता है, वह भी तब जब उनका जनरेटर चल रहा हो। सर्दियों में यहां सन्नाटा पसरा रहता है, लेकिन गर्मियों में यह जगह पर्यटकों से भर जाती है।

बिहार में कानून व्यवस्था को लेकर सियासी कोहराम

राजद, कांग्रेस और वीआईपी ने उठाए नीतीश सरकार पर सवाल

» पूर्व सीएम व मंत्री के निशाने पर आए नीतीश कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में महिला सुरक्षा के मुद्दे पर विपक्ष ने एनडीए सरकार को घेरा लिया है। राजद, कांग्रेस से लेकर वीआईपी पार्टी तक ने सीएम नीतीश कुमार और गृहमंत्री सम्राट चौधरी पर करार हमला किया है। इस बीच मुख्यमंत्री और राबड़ी देवी के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जहां नीतीश ने आरजेडी पर अपने शासनकाल में महिलाओं के लिए काम न करने का आरोप लगाया, वहीं राबड़ी ने वर्तमान सरकार को बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए जिम्मेदार ठहराया।

नीतीश ने विधानसभा में आरजेडी पर आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए उसने महिलाओं के लिए कोई काम नहीं किया। राज्य में यौन उत्पीड़न के मामलों में कथित वृद्धि के विरोध में विपक्षी विधायकों ने प्रदर्शन किया।

महागठबंधन के विधायकों का सदन में हंगामा

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही, राबड़ी देवी के नेतृत्व में विपक्षी सदस्यों ने नारे लगाने शुरू कर दिए और राज्य में हाल ही में हुई बलात्कार की घटनाओं पर मुख्यमंत्री से स्पष्टीकरण मांगा। विधान परिषद की कार्यवाही शुरू होने से पहले राजद के एमएलसी प्रदर्शन करने लगे। सभी नेता सीएम से इस्तीफा की मांग करने लगे। राजद एमएलसी अब्दुल बारी सिद्दीकी ने जिस तरह से उच्च सदन में सीएम के बर्ताव से स्पष्ट हो गया कि वह अपने होश में नहीं है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष के साथ राबड़ी देवी के साथ जैसा व्यवहार किया, वह गलत है। जनता ने सबकुछ देखा। अब उन्हें कुर्सी छोड़ देनी चाहिए।

राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराई: राबड़ी

विधानसभा में विपक्ष की नेता राबड़ी देवी भी नारेबाज़ी के बीच एक-दूसरे को संबोधित करते हुए दिखाई दिए, लेकिन माइक बंद होने के कारण उनकी आवाज़ सुनाई नहीं दी। हंगामा जारी रहने पर उपसभापति रामबचन राय ने सदन स्थगित कर दिया। सदन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए राबड़ी देवी ने आरोप लगाया, राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और हत्या और बलात्कार की घटनाएं प्रतिदिन घट रही हैं। यह सरकार अक्षम है। उन्होंने कुमार और गृह मंत्रालय संभाल रहे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने दावा किया, गृह मंत्री ने खुद कहा था कि अगर ऐसी कोई घटना घटती है तो वे 24 घंटे के भीतर इस्तीफा दे देंगे।

बिहार में बेटियां सुरक्षित नहीं सरकार अपराधियों को बचा रही है : मुकेश सहनी

वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार में बेटियां बिल्कुल सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ही ऐसे मामलों में अपराधियों को बचाने में लगी रहती है। हम सब सोचकर परेशान हैं कि ऐसी घटनाएं लगातार क्यों हो रही हैं। प्रशासन पूरी तरह फेल नजर आ रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि हमारा समाज कहां जा रहा है, जहां सात-आठ साल की बच्चियों के साथ दुष्कर्म जैसी घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने कहा कि आज के हालात में हमारी बेटियां बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं हैं। सहनी ने कहा कि घटनाएं तो दुनिया में कहीं भी हो सकती हैं, लेकिन अगर घटना के बाद सरकार और प्रशासन सही तरीके से कार्रवाई करें, तो दोबारा ऐसी घटनाएं नहीं होंगी। लेकिन जब सरकार ही अपराधियों को बचाने लगे, तो ऐसे मामले बढ़ते जाते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले मुजफ्फरपुर बालिका कांड हुआ, फिर हाल ही में पटना में नीट की छात्रा की हत्या की घटना हुई। ऐसे मामलों में जब सरकार ही अपराधियों को बचाने लगेगी, तो इस तरह की घटनाएं होती रहेंगी। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी-बड़ी घटनाओं के बाद भी सरकार को जागने की जरूरत है।

चार करोड़ से अधिक बकाया पर नगर निगम सख्त

» 158 विज्ञापन एजेंसियों को तीन दिन का अंतिम नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने बकाया विज्ञापन शुल्क की वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए 158 विज्ञापन एजेंसियों और विज्ञापनदाताओं को तीन दिन का अंतिम नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर नगर निगम के प्रचार विभाग द्वारा की गई है। अधिकारियों के अनुसार संबंधित एजेंसियों और प्रतिष्ठानों पर चार करोड़ रुपये से अधिक का विज्ञापन शुल्क लंबे समय से बकाया है। जारी नोटिस में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी बकायेदार तीन दिन के भीतर पूर्ण बकाया राशि नगर निगम कोष में जमा करें।

निर्धारित समय सीमा में भुगतान न होने की स्थिति में नगर निगम द्वारा संबंधित एजेंसियों के होर्डिंग्स, बैनर, यूनिपोल, ग्लो साइन बोर्ड सहित सभी विज्ञापन सामग्री को हटाने की कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम द्वारा जिन प्रमुख एजेंसियों और प्रतिष्ठानों को नोटिस भेजा गया है, उनमें मेसर्स प्राइम एडवरटाइजिंग, सिगमा, मंथन एडवर्टाइजर्स, उत्सव मीडिया, ओएसिस पब्लिसिटी, एंजेल इंटरप्राइजेज, साइन पोस्ट इंडिया, एम.बी. इंटरप्राइजेज, अक्षत इंटरप्राइजेज, रॉयल एड कॉर्पो, तान्या इंटरप्राइजेज, फ्यूचर एड, ओरियन प्रमोशन सहित कई अन्य एजेंसियां शामिल हैं।

बीसीसीआई ने जारी की वार्षिक अनुबंध की लिस्ट

» रोहित-कोहली को नुकसान ग्रेड बी में मिली जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने सीजन 1 अक्तूबर, 2025-30 सितबंर, 2026 के लिए सीनियर पुरुष और महिला खिलाड़ियों के वार्षिक अनुबंध की घोषणा की। इसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली को नुकसान हुआ है। दोनों को ग्रेड बी में रखा गया है। वहीं, ग्रेड ए में शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा, हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा को रखा गया है। ग्रेड बी में 11 पुरुष खिलाड़ियों को रखा गया है। इनमें वाशिंगटन सुंदर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव और श्रेयस अय्यर शामिल हैं। इससे पहले रोहित और विराट ए+ वर्ग का हिस्सा थे, लेकिन अब बोर्ड ने इस वर्ग को खत्म कर दोनों खिलाड़ियों को ग्रेड में शामिल किया। वहीं, ग्रेड बी में महिलाओं की तरफ से रेणुका ठाकुर, शेफाली वर्मा, ऋचा घोष, स्नेह राणा, राधा यादव, अमनजोत कौर, प्रतिका रावल, क्रांति गौड़, उमा छेत्री और अरुंधति रेड्डी को रखा गया है।

ग्रूप सी में 16 पुरुष खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इनमें अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नीतीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई और ऋतुराज गायकवाड़ को रखा गया है। वहीं, महिलाओं में श्री चरणी, यास्तिका भाटिया हरलीन देओल, काश्वी गौतम, जी कमालिनी, वैष्णवी शर्मा और तेजल हसबनीस इस ग्रूप में शामिल हैं।

पलटू पाक का यू-टर्न, भारत के खिलाफ खेलेगा ग्रूप मैच

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को ग्रूप मैच खेला जाएगा। इसका एलान पाकिस्तान सरकार ने सोमवार को किया। बता दें कि, पाकिस्तान सरकार ने इससे पहले घोषणा की थी कि उनकी राष्ट्रीय टीम टी20 विश्व कप में खेलेगी, लेकिन भारत के खिलाफ ग्रूप मुकाबले का बहिष्कार करेगी। हालांकि, अब सरकार ने यू-टर्न ले लिया है। इस दौरान पीसीबी,आईसीसी और बीसीबी के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठकों के नतीजों पर भी चर्चा हुई। सरकार ने बताया कि बीसीबी की ओर से पीसीबी को भेजे गए औपचारिक अनुरोधों की समीक्षा की गई, जिन्हें श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अन्य सदस्य देशों का समर्थन प्राप्त था। इन देशों ने मौजूदा गतिरोध को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान से नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आग्रह किया था। पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बयान का भी उल्लेख किया और कहा कि भाईचारे की भावना के तहत व्यक्त की गई कृतज्ञता को गर्मजोशी से स्वीकार किया गया है। बयान में दोहराया गया कि पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

पंजाब में हर दिन हो रहे कत्ल : मजीठिया

» शिअद ने मान सरकार को घेरा, ऑपरेशन प्रहार पर सवाल उठाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) नेता व पूर्व मंत्री बिक्रम मजीठिया जालंधर पहुंचे। जहां उन्होंने लक्की ओबरॉय के कत्ल को लेकर पुलिस पर जमकर निशाने साधा। मजीठिया ने कहा कि लॉ एंड ऑर्डर बिल्कुल खराब हो गया है। आप सरकार के नेता का दिनदहाड़े कत्ल कर दिया गया, ऐसे में आम नागरिक कहां सुरक्षित है। डीजीपी गौरव यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब कानून व्यवस्था खराब हो चुकी है, लेकिन डीजीपी को अपनी कुर्सी प्यारी है। मजीठिया ने कहा कि पंजाब में बॉर्डर स्टेट है। ऐसे में जब तक पक्के तौर पर डीजीपी को नहीं लगाया जाएगा, तब तक ऐसे हालात बनते रहेंगे और डीजीपी का कानून व्यवस्था पर कोई ध्यान नहीं जाएगा।

मजीठिया ने कहा कि पंजाब के हालात यह बन गए है कि कोई इंडस्ट्री पंजाब में इनवेस्ट करने को तैयार नहीं है। अगर कोई आवाज उठाता है तो उसके खिलाफ पर्चे दर्ज किए जाते हैं। इन हालातों में डेमोक्रेसी नहीं बच पाएगी। कोरोना काल में पंजाब में पाकिस्तान के बॉर्डर एरिया से हथियार आने के मामले में डीजीपी को घेरते हुए कहा कि अगर उस समय हथियार पंजाब में आए थे तो वह उनके खिलाफ क्या कार्रवाई कर रहे थे। मजीठिया ने ऑपरेशन प्रहार 2.0 के लेकर कहा कि वह साढ़े 3 साल तक कहां थे। पीआर के अलावा उन्हें कोई काम नहीं है। पंजाब में सुबह ऑपरेशन प्रहार 2.0 शुरू हुआ और उसके बाद पंजाब में गोली मारकर कत्ल कर दिया गया। अगर ऑपरेशन प्रहार में 5 हजार लोग अब पकड़े हैं तो पहले पुलिस ने क्या किया था। पुलिस को लोगों को पकड़ने के लिए टारगेट दिया गया है, अगर पुलिस रोजाना नौजवानों को काबू नहीं करती तो उनकी ट्रांसफर हो जाएगी। ऐसे में कितने सही नौजवानों को थाने पकड़कर पुलिस ले जा रही है। वहीं पुलिस द्वारा किए जा रहे एनकाउंटर पर भी मजीठिया ने सवाल उठाए।

पंजाब पर चढ़ा 5 लाख करोड़ का कर्ज: पूर्व मंत्री

मजीठिया ने कहा कि पंजाब पर 5 लाख करोड़ का कर्ज चढ़ गया है। वहीं एसवाईएल के मुद्दे को लेकर कहा कि पंजाब जल्द हरियाणा को पानी देने जा रही है। पंजाब के नौजवानों के पास नौकरी नहीं है, किसान सड़कों पर है। पंजाब की इंडस्ट्री बाहर जा रही है। अगर पंजाब को बचाना है तो दिल्ली वालों को भगाना पड़ेगा।

हाईकोर्ट में भी खुली रेखा सरकार की पोल: भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने प्राइवेट स्कूल फीस कंट्रोल एक्ट को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के बाद अब हाईकोर्ट में भी रेखा गुप्ता सरकार की पोल खुल गई है। हाईकोर्ट ने निजी स्कूलों में अभिभावकों को शामिल कर बनाई जाने वाली फीस कंट्रोल कमेटी पर स्टे लगाकर यह साफ कर दिया कि यह कानून दिखावटी और भ्रामक था।

भारद्वाज ने कहा कि भाजपा मिडिल क्लास अभिभावकों को गुमराह करने के लिए फीस कंट्रोल कानून लाई। असल में यह कानून निजी स्कूल मालिकों के हित में बनाया गया था। सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने स्वीकार किया था कि निजी स्कूलों की ओर से बढ़ाई गई फीस पर यह कानून लागू नहीं होगा।

प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में नगर निगम लखनऊ को द्वितीय पुरस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जन भवन, लखनऊ में आयोजित प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में नगर निगम लखनऊ द्वारा विकसित रूफ टॉप गार्डेनिंग मॉडल को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि नगर निगम के पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास के प्रति किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है।

प्रदेश स्तर पर आयोजित इस प्रदर्शनी में विभिन्न जनपदों, संस्थानों और नगर निकायों द्वारा नवाचारपूर्ण उद्यान एवं कृषि मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच नगर निगम लखनऊ के रूफ टॉप गार्डेनिंग मॉडल ने अपनी उपयोगिता, नवाचार और पर्यावरणीय लाभों के चलते निर्णायकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। द्वितीय पुरस्कार महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रदान किया गया। नगर निगम की ओर से यह सम्मान अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविन्द कुमार राव, उद्यान अधीक्षक गंगाराम गौतम एवं शशिकांत ने प्राप्त किया। इस अवसर पर कई प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा कृषि एवं उद्यान क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ मौजूद रहे।

मुझे सेना प्रमुख पर भरोसा है प्रकाशक पर नहीं : राहुल गांधी

नरवणे के संस्मरण फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी पर फिर घमासान

नेता प्रतिपक्ष ने ने जनरल नरवणे का किया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे के संस्मरण फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी को लेकर जारी घमासान अब और तेज हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने इस विवाद में सीधा हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि वह प्रकाशक पेंगुइन के बजाय पूर्व सेना प्रमुख की बातों पर भरोसा करते हैं।

एमएम नरवणे की किताब को लेकर चल रहे विवाद पर कमेंट करते हुए, कांग्रेस स्क्रराहुल गांधी ने कहा कि वह और पेंगुइन दोनों सच नहीं बोल सकते और उन्हें पूर्व आर्मी चीफ जनरल पर विश्वास है। उन्होंने मंगलवार को पार्लियामेंट के बाहर रिपोर्टर्स से कहा, या तो मिस्टर नरवणे झूठ बोल रहे हैं या पेंगुइन झूठ बोल रहा है। मुझे नहीं लगता कि पूर्व आर्मी चीफ झूठ बोलेंगे। नरवणे के 2023 के एक ट्वीट का जिक्र करते हुए, जिसमें पूर्व आर्मी चीफ ने अपनी नई किताब फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी को प्रमोट किया था, राहुल गांधी ने कहा कि उनकी किताब में दिए गए कुछ बयान भारत सरकार और भारत के प्रधानमंत्री के लिए असुविधाजनक हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में झूठ बोला

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदन में झूठ बोला है, क्योंकि नरवणे का संस्मरण प्रकाशित हो चुका है और उनकी प्रति उनके पास है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा सांसद गांधी ने कई विपक्षी सांसदों के निलंबन को लेकर सरकार की आलोचना भी की। गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री सदन में आने से डर रहे थे, सदस्यों की वजह से नहीं, बल्कि मेरी बातों की वजह से। वे अब भी डरे हुए हैं क्योंकि वे सच्चाई का सामना नहीं कर सकते। हमारे सदस्यों द्वारा प्रधानमंत्री पर हमला करने का तो सवाल ही नहीं उठता। उन्हें आने का साहस दिखाना चाहिए। गांधी ने आगे कहा कि मैंने यह भी कहा था कि अगर कोई कहता है कि वह प्रधानमंत्री पर हमला करने जा रहा है, तो कृपया तुरंत एफआईआर दर्ज करें। उस व्यक्ति को गिरफ्तार करें। आप ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? तो असल में यही हुआ है। गांधी ने कहा कि पूरा विपक्ष संसद में चर्चा करने को उत्सुक है, लेकिन इसके लिए सरकार को उनकी शर्तें माननी होंगी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे दावा किया कि सरकार अमेरिका के साथ हाल ही में हुए व्यापार समझौते के कारण केंद्रीय बजट 2026-27 पर चर्चा नहीं करना चाहती।

किताब एमेजन पर अवेलेबल है

यहां मिस्टर नरवणे का एक ट्वीट है जिसमें लिखा है, बस मेरी किताब के लिंक को फॉलो करें। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने रिपोर्टर्स से कहा मैं जो कहना चाह रहा हूं वह यह है कि या तो मिस्टर नरवणे झूठ बोल रहे हैं या पेंगुइन झूठ बोल रहा है। मुझे नहीं लगता कि पूर्व आर्मी चीफ झूठ बोलेंगे। पेंगुइन का कहना है कि किताब पब्लिश नहीं हुई है। लेकिन किताब एमेजन पर अवेलेबल है...मुझे पेंगुइन से ज़्यादा नरवणे जी पर भरोसा है। क्या आपको नरवणे जी से ज़्यादा पेंगुइन पर भरोसा है? मुझे लगता है कि नरवणे जी ने अपनी किताब में कुछ ऐसी बातें कही हैं जो भारत सरकार और भारत के प्रधानमंत्री के लिए ठीक नहीं हैं। ज़ाहिर है, आपको तय करना होगा कि पेंगुइन सच बोल रहा है या पूर्व आर्मी चीफ।

भाजपा ने राहुल गांधी से पूछे सवाल

इस मामले पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने जनरल नरवणे की किताब के विवाद और कांग्रेस सांसदों पर कहा, पेंगुइन ने बयान जारी कर कहा है कि किताब छपी या प्रकाशित नहीं हुई है और वे कार्रवाई करेंगे। इस संसद में नियम हैं और कोई उन्हें गुमराह नहीं कर सकता. अगर प्रकाशक कहता है कि किताब प्रकाशित नहीं हुई है, तो वह कौन सी किताब दिखा रहे हैं? मैं अध्यक्ष से राहुल गांधी और सोरोस जैसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह करता हूं जो देश को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

लोस अध्यक्ष के खिलाफ टीएमसी अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन नहीं करेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ कांग्रेस द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, टीएमसी ने अध्यक्ष को हटाने की मांग को लेकर अविश्वास प्रस्ताव लाने की विपक्ष की रणनीति से खुद को अलग कर लिया है।

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि हमने कांग्रेस को सुझाव दिया है कि वह इंडिया ब्लॉक और कांग्रेस की मांगों को लेकर अध्यक्ष से अपील करे और हमने अध्यक्ष को विपक्ष की अपील पर जवाब देने के लिए तीन दिन का समय दिया है। अगर कांग्रेस आज अपील पेश करती है, तो टीएमसी इस पर हस्ताक्षर नहीं करेगी और अगर अध्यक्ष विपक्ष की अपील से सहमत नहीं होते हैं, तो हम अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इस कदम को समाजवादी पार्टी (एसपी) और द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) सहित कई अन्य विपक्षी दलों का समर्थन मिला है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को छोड़कर इंडिया ब्लॉक के सभी विपक्षी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं।

सीएम सरमा का शूटिंग वीडियो विवाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

» बोले सीजेआई- चुनाव आते ही एक हिस्सा कोर्ट में लड़ा जाता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के खिलाफ लेफ्ट पार्टियों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सीएम सरमा के खिलाफ एक याचिका दायर की गई है, जिसमें एक वीडियो का हवाला दिया गया और दावा किया गया कि इस वीडियो में मुसलमानों को निशाना बनाया गया है।

भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और एन वी अंजारिया की बेंच ने सीपीआई और सीपीएम नेताओं की ओर से वकील निजाम पाशा कोर्ट में पेश हुए। वकील ने कहा, हम असम के मौजूदा सीएम के परेशान करने वाले भाषणों के संबंध में इस कोर्ट से तुरंत दखल चाहते हैं, जिसमें हाल ही में पोस्ट किया गया एक वीडियो भी शामिल है। इसमें उन्हें एक खास समुदाय के लोगों पर गोली चलाते हुए दिखाया गया है। शिकायत की गई, लेकिन कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि इस तरह की याचिकाएं चुनाव के मौसम में ही आती हैं। उन्होंने कहा, समस्या यह है कि जैसे ही चुनाव आते हैं, चुनाव का कुछ हिस्सा सुप्रीम कोर्ट में लड़ा जाता है। हम पता लगाएंगे और तारीख बताएंगे।

ये है मामला

दरअसल, यह विवाद 7 फरवरी, 2026 को असम बीजेपी के आधिकारिक एक्स हैंडल से शेयर किए गए एक वीडियो से जुड़ा है। क्लिप में कथित तौर पर सरमा को राइफल से निशाना साधते हुए और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिखाया गया था। एक ने टोपी पहनी हुई थी और दूसरे ने दाढ़ी रखी हुई थी। कैप्शन में पॉइंट-ब्लैंक शॉट लिखा था। इस पोस्ट पर बहुत ज्यादा प्रतिक्रियाएं आईं और आरोप लगे कि इसने सांप्रदायिक नफरत को बढ़ावा दिया। हंगामे के बाद बीजेपी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से वीडियो डिलीट कर दिया।

शरद पवार से पीएम मोदी ने फोन पर की बात, राजनाथ सिंह ने भी लिया हालचाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (के प्रमुख शरद पवार की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें पुणे के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फ़ोन कर स्वास्थ्य की जानकारी ली। सोमवार को सीने में संक्रमण और खांसी-बुखार की शिकायत के चलते पवार को पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में भर्ती कराया गया था।

जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी ने अस्पताल में भर्ती पवार से बात कर उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की और आवश्यक चिकित्सीय देखभाल सुनिश्चित करने की बात कही. इसके तुरंत बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी पवार को फ़ोन कर उनका हालचाल जाना।

दिल दहलाने वाली घटना से सहमा मथुरा

रसोई की दीवार पर लिखकर तीन बच्चों समेत दंपती ने दी जान

» एक ही परिवार के पांच लोगों ने की आत्महत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। मथुरा में महावन थाना क्षेत्र के गांव खप्परपुर में मंगलवार सुबह एक सनसनीखेज मामले में एक ही परिवार के पांच लोगों की जान चली गई। तीन बच्चों की हत्या कर दंपती ने भी आत्महत्या कर ली। मृतक के मोबाइल में एक वीडियो मिला है, जिसमें उसने कहा है कि वह खुद आत्महत्या कर रहा है, किसी को परेशान न किया जाए। घर की दीवार और एक पर्ची पर भी आत्महत्या करने की बात लिखी है।

प्रथम दृष्टया पता चला है कि गृहस्वामी करीब छह माह से तंत्र-मंत्र के चक्कर में भी था। बच्चों की हत्या गला दबाकर करने की भी आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। खप्परपुर निवासी 35 वर्षीय मनीष जाटव, उनकी पत्नी 32 वर्षीय सीमा, पांच वर्षीय बेटी हनी, चार वर्षीय प्रियांशी और दो वर्ष के बेटे पंकज का शव सुबह के घर के अंदर पड़ा मिला। जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोस में रह रहे मनीष के भाई ने घर जाकर देखा तो घर में पांचों में मृत पड़े थे। मनीष ने अपने घर की दीवार पर लिखा है कि मैं मनीष आत्महत्या कर रहा हूं, किसी को परेशान न किया जाए। घर के कमरे में एक पर्ची मिली है, इस पर भी लिखा है कि मैं आत्महत्या कर रहा हूं, किसी को परेशान न किया जाए।

विपक्ष के नेता को बोलने न देना लोकतंत्र के खिलाफ : प्रियंका गांधी

» संसद में हंगामे के बाद सरकार पर विपक्ष का हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न दिए जाने के बाद लोकसभा में मचे हंगामे के बीच, पार्टी सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि यह लोकतंत्र नहीं है जहां विपक्ष के नेता को अपने विचार रखने की अनुमति न दी जाए। मीडिया से बात करते हुए प्रियंका ने जोर देकर कहा कि राहुल गांधी को एक मिनट भी बोलने की अनुमति न देना हास्यास्पद है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि यह बहुत दुखद है कि हम सदन (लोकसभा) जाते हैं और बस बाहर आ जाते हैं। विपक्ष के नेता को एक मिनट भी बोलने की अनुमति नहीं दी जाती। यह हास्यास्पद है। यह लोकतंत्र नहीं है। हम यहां किसलिए आते हैं? उन्हें बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन में लगातार व्यवधान पैदा करने के लिए विपक्ष की आलोचना की। इसके अलावा, प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला पर उनके उस बयान को लेकर निशाना साधा, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सदन में न आने का आग्रह किया था, क्योंकि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ कांग्रेस सांसद सदन में प्रधानमंत्री की सीट पर आकर अभूतपूर्व घटना को अंजाम दे सकते हैं।

लोस अध्यक्ष को संसद चलाने में रुचि नहीं : थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार और लोकसभा अध्यक्ष पर संसद चलाने में रुचि न रखने का आरोप लगाया और कहा कि लोकसभा में बार-बार व्यवधान के कारण वे केंद्रीय बजट 2026-27 पर बोलने में असमर्थ रहे। सदन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने कहा कि वे बजट पर चर्चा में भाग लेने की तैयारी के साथ आए थे, लेकिन उन्हें ऐसा करने का कोई अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सरकार और लोकसभा अध्यक्ष सदन चलाने में रुचि नहीं रखते हैं। शशि थरूर ने आगे कहा कि वे दिन में बाद में फिर से बोलने का प्रयास करने के लिए लौटेंगे। थरूर ने कार्यवाही के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अनुपस्थिति की ओर भी इशारा किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि स्थगन की आशंका पहले से ही थी। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री सदन में बैठी ही नहीं थीं और आगे कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें पहले से ही पता था कि सदन स्थगित होगा।

कांग्रेस की महिला सांसदों ने कहा- हम पर सत्ता पक्ष के आरोप निराधार

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी ने उन्हें उनके खिलाफ झूठे, निराधार और मानहानिकारक दावे करने के लिए मजबूर किया। अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को कहा था कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सदन में न आने का आग्रह किया था ताकि कोई अप्रिय घटना न हो, क्योंकि उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ कांग्रेस सांसद सदन में प्रधानमंत्री की सीट पर आकर अभूतपूर्व घटना को अंजाम दे सकती हैं।सांसदों ने कहा कि सदन में उनका विरोध शांतिपूर्ण और संसदीय मानदंडों के अनुरूप था, लेकिन उन्हें अभूतपूर्व रूप से निशाना बनाया गया। पत्र में सांसदों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लगातार चार दिनों तक बोलने का अवसर नहीं दिया गया, जबकि एक भाजपा सांसद को पूर्व प्रधानमंत्रियों के बारे में अश्लील और अभद्र टिप्पणी करने की अनुमति दी गई।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा